CHATER 6, खानाबदोश

PAGE 77, अभ्यास

11:6:1: प्रश्न-अभ्यास:1

1. जसदेव की पिटाई के बाद मज़दूरों का समूचा दिन कैसा बीता?

उत्तर - सुबेसिंह जब भी आता तभी मजदूरों की मार-पिटाई का दौर चल पड़ता इसलिए जसदेव की पिटाई के बाद मजदूरों का समूचा दिन दहशत और डर में बीता था क्युकी उन्हें डर कहीं फिर सुबेसिंह आकर किसी और को मार-पिट न कर दे ।

www.dreamtopper.in

11:6:1: प्रश्न-अभ्यास:2

2. मानो अभी तक भट्ठे की ज़िंदगी से तालमेल क्यों नहीं बैठा पाई थी?

उत्तर - मानो का परिवार किसान था । वे लोग अपने मालिक स्वयं थे । अपने लिए कमाते थे । किसी अन्य के पास जा कर मजदूरी नहीं करते थे । लेकिन परिवार के बदहवाली के कारण उसे गाँव छोड़कर भट्ठे पर काम करने आना पड़ा था ।वह अपने पति सुकिया के कारण उसे भट्ठे में काम कर रही थी । भट्ठे का माहौल उसे बिल्कुल पसंद नहीं था ।जब शाम ढलती तब वहां का वातावरण काट खाने को आता था वह अब इस माहौल में घबराने लगी थी ।और यही कारण था कि यहाँ के जीवन से मानो सम्बन्ध स्थापित नहीं कर पा रही थी ।

www.dreamtopper.in

11:6:1: प्रश्न-अभ्यास:3

3. असगर ठेकेदार के साथ जसदेव को आता देखकर सूबे सिंह क्यों बिफर पड़ा और जसदेव को मारने का क्या कारण था?

उत्तर - असगर ठेकेदार के साथ जसदेव को आता देखकर सूबे सिंह इस लिए बिफर पड़ा क्यों की सूबे सिंह हमेशा मानो पर बुरी नज़र रखता था । अतः उसने असगर को कहा की वो मानो को बुला कर लाये । और ये बात जब असगर ठेकेदार ने मानो तथा सुकिया को कही तो सुकिया क्रोधित हो उठा ।इस स्थिति भांपकर जसदेव ने ये कहा कि वह मानो के स्थान पर सूबे सिंह के पास जाएगा ।जब सूबे सिंह ने देखा कि मानो नहीं आई है और उसके स्थान पर जसदेव आया है तो वह बिफर पड़ा । मानो का सारा गुस्सा उसने जसदेव पर निकाल दिया । उसने जसदेव को बहुत बुरी तरह मारा ।

www.dreamtopper.in

11:6:1: प्रश्न-अभ्यास:4

4. जसदेव ने मानो के हाथ का खाना क्यों नहीं खाया?

उत्तर - जसदेव ने मानो के हाथ का खाना इसलिए नहीं खाया क्यूंकि वह उंची जात का था बामन और मानो और सुकिया भट्ठे के मजदूर थे नीची जात के ।जसदेव नया नया ही काम पर आया था अपने परिवार से निकले ज्यादा समय नहीं हुआ था । उसके अन्दर एक हिचक थी कि मानो के हाथ की गुड रोटी कैसे खा लेगा क्यूंकि दोनों के जात और काम में अंतर है ज़मीन आसमान का ।

www.dreamtopper.in

11:6:1: प्रश्न-अभ्यास:5

'ईंटों को जोड़कर बनाए चूल्हे में जलती लकड़ियों की चिट-पिट जैसे मन में पसरी दुश्चिंताओं और तकलीफ़ों की प्रतिध्वनियाँ थीं जहाँ सब कुछ अनिश्चित था।' – यह वाक्य मानो की किस मनोस्थिति को उजागर करता है?

उत्तर - यह कथन मानो की कष्ट भरी जिंदगी को दर्शाता है ।वह हमेशा इस बात को लेकर चिंतित रहती की उसका भविष्य कैसा होगा । क्यों की उसे

हर तरफ अनिश्चिता के सिवा और कुछ नहीं दिख रहा था। वह हमेशा अपने कष्ट और तकलीफों के बारे में सोचती रहती थी। उसका ध्यान सदैव चूल्हे में जलती लकड़ियों की चिट- पिट की आवाज पर जाता और उसे देख कर वो अपनी तकलीफों से उबरने की कोशिश करती क्यों की उसके मन में बसी चिंगारी ने अभी जावला का रूप नहीं लिया था।

11:6:1: प्रश्न-अभ्यास:6

5. मनो को क्यों लग रहा था कि किसी ने उसकी पक्की ईंटो के मकान को ही धराशाई कर दिया है ?

उत्तर - मानो को लग रहा था कि किसी ने उसकी पक्की ईटों के मकान को ही धराशायी कर दिया हो क्योंकि उसके मन में बहुत दिनों से एक उद्‌देश्य था कि वे थोड़े थोड़े इंटों से अपना घर बना ले

www.dreamtopper.in

परन्तु सुबेसिंह के जुल्म से वे लोग तंग आ चुके थे ।आये दिन वो मानो और सुकिया को परेशान किया करता था । मानो के पीछे हाथ धोकर पद गया था ,जो कि सुकिया से देखा नहीं जाता था । इस वजह से उन्हें वो स्थान भी छोड़कर जाने का सोच रखा था ,क्यूंकि सुबेसिंह की प्रताड़ना और वो नहीं बर्दाश्त कर सकते थे । इस कारण से मानो के सपने पर जैसे पानी फिर गया और उसे लग रहा था कि किसी ने उसके पक्की ईटों के मकान को ही धराशायी कर दिया हो ।

www.dreamtopper.in

11:6:1: प्रश्न-अभ्यास:7

6. 'चल! ये लोग म्हारा घर ना बणने देंगे।' - सुकिया के इस कथन के आधार पर कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - इस कथन से यह स्पष्ट होता है की सुकिया तथा मानो जैसे लोगों की शोषण भरी है ।

इन जैसे लोगो को हमेशा पूंजीपतियों के हाथों शोषण का शिकार होना पड़ता है । पूंजीपति वर्ग हमेशा अपने धन के बल पर उन्हें अपने हाथों की कठपुतलियाँ बनाकर रखना चाहता है । हर जगह सुबे सिंह जैसे लोग सुकिया तथा मानो जैसे लोगों को चैन से जीने नहीं देते है ।उनके अनुसार एक मजदूर के पास यह अधिकार नहीं होता है कि वह अपने अनुसार जीवन जी सके । मजदुर ऐसे लोगो के हाथो सदा प्रताड़ित होते आ रहे हैं ।इन्हे या तो पूंजीपतियों की उटपटांग और नाजायज़ मांगो के आगे घुटने टेकने पड़ते हैं या फिर जलील होकर खानाबदोशों के समान एक स्थान से दुसरे स्थान भटकना पड़ता है । सुकिया का यह कथन मजदूरों की इसी संवेदना को प्रस्तुत करता है ।

11:6:1: प्रश्न-अभ्यास:8

www.dreamtopper.in

7. 'खानाबदोश' कहानी में आज के समाज की किन-किन समस्याओं को रेखांकित किया गया है? इन समस्याओं के प्रति कहानीकार के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'खानाबदोश' कहानी में आज के समाज की निम्नलिखित समस्याओं को रेखांकित किया गया है;

(क) किसानों को जीविका चलाने के लिए गाँवों से पलायन

(ख) मजदूरों का शोषण तथा नरक का जीवन

(ग) जातिवाद तथा भेदभाव भरा जीवन

(घ) स्त्रियों का शोषण

लेखक ने प्रस्तुत कहानी में सुकिया और मानो के माध्यम से ये बातें सबके समक्ष रखा है ।ये ऐसे दो पात्रों की कहानी है जो भेडचाल में जीवन नहीं बिताना चाहते हैं ।वे समझौता नहीं करते हैं ।अपनी मेहनत पर विश्वास करते हैं

www.dreamtopper.in

और समाज के ठेकेदारों को मुंहतोड़ जवाब देते हैं। वे अपनी शर्तों पर जीने के लिए कष्टों तक को गले लगाने से चुकते नहीं हैं।

11:6:1: प्रश्न-अभ्यास:9

8. सुकिया ने जिन समस्याओं के कारण गावँ छोड़ा वही समस्या शहर में भट्ठे पर उसे झेलनी पड़ी -मूलतः वह समस्या क्या थी ?

उत्तर - सुकिया ने जिन समस्याओं के कारण गाँव छोड़ा वही समस्या शहर में भट्ठे पर उसे झेलनी पड़ी वह समस्या इस प्रकार है :

(क) मजदूरों का शोषण

(ख) स्त्रियों का शोषण

(ग) जातिवाद तथा भेद-भाव भरा जीवन

ये समस्या सिर्फ गाँव में ही नहीं बल्कि शहर में भी उसी प्रकार व्याप्त थी ,जिस कारण उसे वही

www.dreamtopper.in

सारी समस्या शहर में भी झेलनी पड़ी जो गाँव में थी ।

11:6:1: प्रश्न-अभ्यास:10

9. 'स्किल इंडिया ' जैसा कार्यक्रम होता तो क्या तब भी सुकिया और मनो को खानबदोश जीवन व्यतीत करना पड़ता?

उत्तर - ‘स्किल इंडिया जैसा कार्यक्रम होता तो सुकिया और मानो को खानाबदोश जीवन नहीं व्यतीत करना पड़ता । जातिवाद को हटा दिया जाता ,स्त्रियों का शोषण बिलकुल नहीं होता ,मजदूरों को हक़ की रोटी और रहने को एक निश्चित घर मिलता ।

www.dreamtopper.in